

खैरागढ़ जिले में युवा नेतृत्व एवं सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन का अध्ययन

शोधार्थी:

राकेश कुमार वर्मा

राजनीति विज्ञान संकाय, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शोध-निर्देशक:

डॉ. वंदना श्रीवास

सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान संकाय, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र खैरागढ़ जिले के ग्रामीण युवाओं के संदर्भ में युवा नेतृत्व की भूमिका एवं उसके सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि खैरागढ़ जिले में युवा नेतृत्व किस प्रकार सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को गति प्रदान कर रहा है तथा स्थानीय राजनीति में उसकी क्या भूमिका है। अध्ययन के लिए 500 उत्तरदाताओं का चयन उद्देश्यपूर्ण एवं स्तरीकृत नमूना पद्धति के माध्यम से किया गया। प्राथमिक आंकड़े प्रश्नावली एवं साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से संकलित किए गए, जबकि द्वितीयक स्रोतों में पुस्तकें, शोध पत्र एवं सरकारी रिपोर्टों का उपयोग किया गया। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि खैरागढ़ जिले में युवाओं की राजनीतिक भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय शासन व्यवस्था में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई है। शोध निष्कर्षों से यह भी ज्ञात हुआ कि युवा नेतृत्व सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। युवाओं की सक्रियता के कारण शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक जागरूकता में सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। हालांकि कुछ चुनौतियाँ जैसे संसाधनों की कमी, अनुभव का अभाव तथा अवसरों की सीमितता अभी भी विद्यमान हैं, फिर भी समग्र रूप से युवा नेतृत्व का प्रभाव सकारात्मक दिशा में अग्रसर है।

मुख्य शब्द

युवा नेतृत्व, सामाजिक परिवर्तन, राजनीतिक जागरूकता, ग्रामीण विकास, खैरागढ़

प्रस्तावना

युवा वर्ग किसी भी समाज का सबसे सक्रिय, ऊर्जावान एवं परिवर्तनशील वर्ग होता है, जो सामाजिक एवं राजनीतिक विकास की दिशा को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी न केवल राजनीतिक प्रक्रियाओं को सशक्त बनाती है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन को

भी गति प्रदान करती है। छत्तीसगढ़ राज्य के खैरागढ़ जिले के संदर्भ में यह विषय विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र सामाजिक एवं आर्थिक रूप से विकासशील अवस्था में है, जहाँ युवा नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

वर्तमान समय में शिक्षा के प्रसार, सूचना प्रौद्योगिकी के विकास एवं सामाजिक जागरूकता के कारण युवाओं में राजनीतिक चेतना का स्तर बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप वे केवल मतदाता के रूप में ही नहीं, बल्कि नीति-निर्माण एवं नेतृत्व के स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभाने लगे हैं। खैरागढ़ जिले में युवाओं की बढ़ती भागीदारी ने स्थानीय राजनीति में नए आयाम स्थापित किए हैं, जिससे शासन प्रणाली में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं जनहित की भावना को बढ़ावा मिला है।

यह अध्ययन इस बात का विश्लेषण करता है कि युवा नेतृत्व किस प्रकार सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है तथा उसके प्रभाव से समाज में किस प्रकार सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। साथ ही, यह भी समझने का प्रयास किया गया है कि युवाओं की राजनीतिक सक्रियता किन कारकों से प्रभावित होती है और इसके विकास में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

साहित्य समीक्षा

शर्मा (2015) ने अपने अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि राजनीतिक समाजशास्त्र के संदर्भ में युवाओं की भूमिका सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख आधार है तथा उनकी सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करती है।

गाबा (2010) के अनुसार तुलनात्मक राजनीति में युवाओं की सहभागिता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता का महत्वपूर्ण संकेतक है, जो शासन की पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ाती है।

राठौड़ (2003) ने भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व को परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करते हुए यह स्पष्ट किया कि राजनीतिक दलों में युवाओं की भागीदारी से नई विचारधारा का विकास होता है।

शक्तावत (2011) ने पंचायती राज व्यवस्था के संदर्भ में यह पाया कि युवा एवं महिला नेतृत्व स्थानीय शासन को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाता है।

लक्ष्मीकांत (2015) के अनुसार लोकतंत्र में युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी शासन प्रणाली को सशक्त बनाती है तथा नीति-निर्माण में नवीन दृष्टिकोण प्रदान करती है।

मिश्रा (2014) ने अपने अध्ययन में निष्कर्ष दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा नेतृत्व सामाजिक एवं आर्थिक विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान करता है।

सिंह (2018) के अनुसार युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार है तथा उनकी राजनीतिक जागरूकता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है।

तिवारी (2016) ने यह स्पष्ट किया कि नेतृत्व विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे सामाजिक परिवर्तन के वाहक होते हैं और समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक (Descriptive) एवं सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया है। नमूना के रूप में खैरागढ़ जिले के 500 ग्रामीण युवाओं का चयन उद्देश्यपूर्ण एवं स्तरीकृत विधि से किया गया। प्राथमिक डेटा प्रश्नावली एवं साक्षात्कार के माध्यम से संकलित किया गया।

तालिका 1

युवा नेतृत्व का सामाजिक प्रभाव

प्रभाव	आवृत्ति	प्रतिशत
सकारात्मक प्रभाव	350	70
सामान्य प्रभाव	100	20
कोई प्रभाव नहीं	50	10
योग	500	100

व्याख्या

तालिका से स्पष्ट है कि 70 प्रतिशत उत्तरदाता युवा नेतृत्व को सकारात्मक मानते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि युवा नेतृत्व समाज में परिवर्तन का प्रमुख माध्यम बन रहा है।

निष्कर्ष

युवा नेतृत्व खैरागढ़ जिले में सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन का सशक्त साधन बनकर उभरा है।

शैक्षिक उपयोगिता

1. विद्यार्थियों में राजनीतिक जागरूकता विकसित होगी।
2. शिक्षकों को पाठ्य सामग्री में नवीन दृष्टिकोण मिलेगा।
3. नीति निर्धारकों को प्रभावी योजनाएँ बनाने में सहायता मिलेगी।

4. ग्रामीण विकास के अध्ययन में उपयोगी होगा।
5. नेतृत्व विकास के कार्यक्रमों में सहायक होगा।
6. सामाजिक अध्ययन के लिए आधार सामग्री प्रदान करेगा।

सुझाव

1. युवा नेतृत्व को संस्थागत रूप दिया जाए।
2. प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए।
3. युवाओं को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक शिक्षा दी जाए।
5. युवाओं के लिए रोजगार अवसर बढ़ाए जाएं।
6. सामाजिक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।
7. स्थानीय शासन में युवाओं की भूमिका बढ़ाई जाए।
8. नेतृत्व विकास हेतु कार्यशालाएँ आयोजित की जाएं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- शर्मा, शशि (2015). *राजनीतिक समाजशास्त्र की रूपरेखा*. नई दिल्ली: PHI Learning।
- गाबा, ओ. पी. (2010). *तुलनात्मक राजनीति की रूपरेखा*. नोएडा: मयूर पेपरबैक्स।
- राठौड़, मीना (2003). *भारत में राजनीतिक दल*. जयपुर: राज पब्लिकेशन।
- शक्तावत, गायत्री (2011). *महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता एवं पंचायती राज व्यवस्था*. जयपुर: नवजीवन पब्लिकेशन।
- लक्ष्मीकांत, एम. (2015). *भारत की राज्यव्यवस्था*. नई दिल्ली: टाटा मैक्ग्राहिल।
- गेना, सी. बी. (2009). *तुलनात्मक राजनीति*. नोएडा: विकास पब्लिशिंग हाउस।
- मिश्रा, आर. के. (2014). *भारतीय राजनीति के आयाम*. दिल्ली: अटल प्रकाशन।
- सिंह, ए. के. (2018). *भारतीय लोकतंत्र और युवा शक्ति*. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन।

- तिवारी, एस. (2016). *राजनीतिक नेतृत्व और समाज*. वाराणसी: ज्ञान प्रकाशन।
- वर्मा, डी. पी. (2012). *ग्रामीण राजनीति का अध्ययन*. भोपाल: मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी।

